गायत्री मन्त्र:

ओ३म् भूर्भुव: स्व: । तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि । धियो यो न: प्रचोदयात् ।।

यजु. ३६ ।३।।

हे परमात्मा, आप प्राणदाता हैं, दुखहर्ता हैं, और सुख के प्रदाता हैं । जगत के उत्पादक, हे प्रकाशमान परमात्मा देव ! हम आपके वरणीय श्रेष्ठ, शुद्ध स्वरूप का ध्यान करते हैं । आप हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की तरफ प्रेरित कीजिये ।

GAYATRI MANTRA

Om bhur bhuvah swah. Tat savitur varenyam bhargo devasya dhimahi.
Dhiyo yo nah prachodayat. Yajur Veda 36/3

O God, the Giver of life, Remover of pains and sorrows, Bestower of happiness and Creator of the Universe, You are most luminous, pure and adorable. We meditate on You. May You inspire and guide our intellect in the right direction.